Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

BAJY-201

जातक शास्त्र एंव फलादेश के सिद्धान्त

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0ए0–12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. मेष, कर्क, तुला, मकर राशियों का स्वरूप का विवेचन करें।

P.T.O.

Q.2. भावबल से क्या अभिप्राय है। स्पष्ट करें।

Q.3. ज्योतिष शास्त्र में पंञ्चाङ् की आवश्यकता पर बल डालें।

Q.4. जातक शास्त्र के भेदों का विस्तृत निरूपण करें।

Q.5. उदाहरण लेकर अष्टोत्तरी दशा साधन करें।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन राशियों के स्वरूप का उल्लेख करें।

P.T.O.

Q.2. योगिनी दशा का क्या अभिप्राय है, स्पष्ट करें।

Q.3. भावबल क्या है? स्पष्ट करें।

Q.4. प्रथम, पञ्चम, नवम और द्विद्रादश भावों से विचारणीय विषयों का उल्लेख करें।

Q.5. केन्द्रस्थ द्विग्रहादि योगफल स्पष्ट करें।

Q.6. पंञ्चाङ् की आवश्यकता का निरूपण करें।

Q.7. सामान्य जीवन में ग्रहों की मैत्री का क्या प्रभाव हैं।

Q.8. त्रिस्कन्ध ज्योतिष के ऊपर प्रकाश डालें।

****